विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन (म.प्र.)

पाठ्यक्रम

एम्.ए. प्रथम सेमेस्टर

2015-16

संस्कृत

विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन

परीक्षा योजना एवं पाठ्यक्रम

कक्षा – एम्.ए. प्रथम सेमेस्टर

विषय – संस्कृत

प्रश्न-पत्र	प्रश्न-पत्र का शीर्षक	अधिकतम अङ्क	कुल योग
प्रथम	वेद	50	200
द्वितीय	वेदाङ्ग	50	
तृतीय	पालि, प्राकृत तथा भाषा विज्ञान	50	
चतुर्थ	काव्य	50	

क्रमाङ्क/अकादमिक/सम्मिलन/2015/..... दिनाङ्क ..... के सन्दर्भ में परीक्षा योजना पर प्रश्नपत्र की संरचना निम्नानुसार होगी –

परीक्षा योजना पर प्रश्नपत्र की संरचना निम्नानुसार होगी –

01. आन्तरिक मूल्याङ्कन कार्य 20 प्रतिशत एवं सैद्धान्तिक परीक्षा 80 प्रतिशत अङ्कों की आयोजित की जावेगी ।

02. प्रश्नपत्रों का गठन दो खण्डों में होगा – खण्ड 'अ' एवं खण्ड 'ब'। खण्ड 'अ' में लघु उत्तरीय प्रश्न होंगे तथा खण्ड 'ब' में दीर्घ उत्तरीय प्रश्न होंगे । लघुउत्तरीय प्रश्नों के उत्तरों की शब्द सीमा अधिकतम 100 शब्द होगी एवं दीर्घ उत्तरीय प्रश्नों के उत्तरों की शब्द सीमा अधिकतम 800 शब्दों की होगी । लघु उत्तरीय प्रश्न तीन अङ्कों के 5 ($3 \times 5 = 15$) एवं दीर्घ उत्तरीय प्रश्न 5 अङ्कों के 5 ($5 \times 5 = 25$) होंगे । प्रत्येक इकाई में आन्तरिक विकल्प पूर्ववत् ही रहेंगे ।

03. 10 अङ्कों का एक ही आन्तरिक मूल्याङ्कन प्रत्येक प्रश्नपत्र हेतु निर्धारित होगा ।

विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन

पाठ्यक्रम एम्.ए. (प्रथम सेमेस्टर) संस्कृत

सत्र - 2015-16 प्रश्नपत्र - प्रथम

प्रश्नपत्र का शीर्षक – वेद

कुल अङ्क 50

इकाई – 1 ऋग्वेद सूक्त 8

1. अग्नि 1.1 2. सूर्य 1.115 3. इन्द्र 2.12
4. विश्वामित्र – नदी संवाद 3.33 5. पर्जन्य 5.83 6. वाक् 10.125

(चार मन्त्र दिये जायेंगे उनमें से किन्हीं दो मन्त्रों की व्याख्या करना होगी – 4+4)

इकाई – 2 ऋग्वेद सूक्त 8

1. उषस् 3.61 2. कितव 10.34 3. पुरुष 10.90
4. हिरण्यगर्भ 10.121 5. नासदीय 10.129

(चार मन्त्र दिये जायेंगे उनमें से किन्हीं दो मन्त्रों की व्याख्या करना होगी – 4+4)

इकाई – 3 यजुर्वेद, सामवेद तथा अथर्ववेद के सूक्त 8

1. योगक्षेम (यजु.) 22.22 2. प्रजापति (यजु.) 32.1-5
3. शिवसङ्कल्प (यजु.) 34.1-6 4. सोम (साम.) 6.1.4
5. राष्ट्राभिवर्धन (अथर्व.) 1.29 6. साम्मनस्य (अथर्व.) 3.30
7. पृथिवी (अथर्व.) 12.1

(चार मन्त्र दिये जायेंगे उनमें से किन्हीं दो मन्त्रों की व्याख्या करना होगी – 4+4)

इकाई – 4 ब्राह्मण, आरण्यक तथा उपनिषद् 8

1. वाङ्मनस् संवाद, शतपथ ब्राह्मण 1.4.5.89.13
2. आत्मतत्त्वविवेचन, बृहदारण्यकोपनिषद् 2.4
3. पञ्चमहायज्ञ तैत्तिरीय आरण्यक 11.10 4. ईशावास्योपनिषद्

(कोई चार प्रश्न अथवा टिप्पणियाँ पूछी जायेगीं उनमें से किन्हीं दो का उत्तर देना होगा–4+4)

इकाई – 5 वैदिक साहित्य पर परिचयात्मक प्रश्न 8

(दो प्रश्न पूछे जायेंगे किसी एक का उत्तर देना होगा)

आन्तरिक मूल्याङ्कन 10

सन्दर्भ ग्रन्थ –

1. न्यू वैदिक सिलेक्शन भाग – 2 ब्रजबिहारी चौबे, भारतीय विद्या प्रकाशन, वाराणसी
2. वैदिक साहित्य एवं संस्कृति – आचार्य बलदेव उपाध्याय
3. वैदिक साहित्य का इतिहास – डॉ. गजानन शास्त्री एवं डॉ. राजेश्वर शास्त्री मुसलगाँवकर
4. नवीन वैदिक सञ्चयनम् – भाग 1, 2 – डॉ. जमुना पाठक, चौखम्बा प्रकाशन, वाराणसी

विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन

पाठ्यक्रम एम्.ए. (प्रथम सेमेस्टर) संस्कृत

सत्र - 2015-16 प्रश्नपत्र - द्वितीय

प्रश्नपत्र का शीर्षक – वेदाङ्ग

कुल अङ्क 50

इकाई – 1	**निरुक्त – प्रथम अध्याय (यास्क)** (व्याख्या एवं निर्वचन)	8
इकाई –2	**निरुक्त – द्वितीय अध्याय (यास्क)** (व्याख्या एवं निर्वचन)	8
इकाई –3	**ऋक्प्रातिशाख्य – प्रथम पटल** (व्याख्या एवं विवेचनात्मक प्रश्न)	8
इकाई – 4	**पाणिनीयशिक्षा** (व्याख्या एवं विवेचनात्मक प्रश्न)	8
इकाई –5	**वेदाङ्ग वाङ्मय का परिचय** (किन्हीं दो विषयों पर टिप्पणी 4 + 4)	8
	आन्तरिक मूल्याङ्कन	10

सन्दर्भ ग्रन्थ –

1. निरुक्त – उमाशङ्कर शर्मा ऋषि
2. निरुक्त - आचार्य विश्वेश्वर, ज्ञान मण्डल, वाराणसी
3. पाणिनीयशिक्षा – भाष्यकार- डॉ. बच्चूलाल अवस्थी, हिन्दी व्याख्याकार- डॉ. बालकृष्ण शर्मा, कालिदास अकादमी, उज्जैन
4. ऋक्प्रातिशाख्य – डॉ. वी.के. वर्मा
5. वैदिक साहित्य और संस्कृति – बलदेव उपाध्याय
6. वैदिक साहित्य का इतिहास – डॉ. गजानन शास्त्री मुसलगाँवकर एवं डॉ. राजेश्वर शास्त्री मुसलगाँवकर
7. वैदिक साहित्य एवं संस्कृति – डॉ. कपिलदेव द्विवेदी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी

विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन

पाठ्यक्रम एम्.ए. (प्रथम सेमेस्टर) संस्कृत

सत्र - 2015-16 प्रश्नपत्र - तृतीय

प्रश्नपत्र का शीर्षक – पालि, प्राकृत तथा भाषा विज्ञान

कुल अङ्क 50

इकाई – 1	**पालि** बावेरुजातकम् , महाभिनिवक्खनम् , धम्मपदसंगहो, मायादेविया सुपिनं (संस्कृत छाया तथा अनुवाद)	8
इकाई –2	**प्राकृत** अशोकस्य गिरिनार अभिलेख, खारवेलस्य हाथी गुम्फा गुहाभिलेख, गाहासत्तसई, कर्पूरमञ्जरी, अभिज्ञानशाकुन्तलम् (उपर्युक्त दोनों इकाइयों के पाठ्यांश पालि-प्राकृत-अपभ्रंश सङ्ग्रह से निर्धारित है)	8
इकाई –3	**भारतीय भाषाशास्त्रीय चिन्तन** पाणिनि, कात्यायन, पतञ्जलि, भर्तृहरि, भट्टोजिदीक्षित	8
इकाई – 4	**भाषाविज्ञान** भाषा एवं भाषाविज्ञान का स्वरूप, भाषा विज्ञान की शाखाएँ, भारोपीय भाषा परिवार, मध्यकालीन भारतीय आर्य भाषाएँ (पालि, प्राकृत, अपभ्रंश)	8
इकाई –5	**ध्वनिविज्ञान, अर्थविज्ञान एवं वाक्यविज्ञान** ध्वनिविज्ञान – वाग्यन्त्र, ध्वनिपरिवर्तन के कारण, ध्वनियों का वर्गीकरण एवं ध्वनि नियम (ग्रिम, ग्रासमान तथा वर्नर) अर्थविज्ञान – अर्थावबोध – सङ्केतग्रह, अभिहितान्वयवाद, अन्विताभिधानवाद अर्थपरिवर्तन के कारण एवं दिशाएँ वाक्यविज्ञान – वाक्य का स्वरूप एवं प्रकार	8
	आन्तरिक मूल्याङ्कन	10

सन्दर्भ ग्रन्थ –

1. पालि–प्राकृत–अपभ्रंश सङ्ग्रह – रामअवध पाण्डेय, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
2. भाषाविज्ञान एवं भाषाशास्त्र – डॉ. कपिलदेव द्विवेदी
3. भाषाविज्ञान – डॉ. भोलानाथ तिवारी ।
4. भाषाविज्ञान की भूमिका – डॉ. देवेन्द्रनाथ शर्मा ।
5. वाक्त्रयी – डॉ. अच्युतानन्द दाश, संस्कृत परिषद्, संस्कृत विभाग, डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर

विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन

पाठ्यक्रम एम्.ए. (प्रथम सेमेस्टर) संस्कृत

सत्र - 2015-16 प्रश्नपत्र - चतुर्थ

प्रश्नपत्र का शीर्षक – काव्य

कुल अङ्क 50

इकाई – 1	**मेघदूतम् (पूर्वमेघ) (दो पद्यों की व्याख्या)**	8
इकाई –2	**मेघदूतम् (उत्तरमेघ) (दो पद्यों की व्याख्या)**	8
इकाई –3	**मेघदूतम् पर समीक्षात्मक प्रश्न**	8
इकाई – 4	**कुमारसम्भवम् – पञ्चम सर्ग (एक पद्य की व्याख्या एवं समीक्षात्मक प्रश्न)**	8
इकाई –5	**नीतिशतकम् (सम्पूर्ण) (एक पद्य की व्याख्या एवं समीक्षात्मक प्रश्न)**	8
	आन्तरिक मूल्याङ्कन	10

सन्दर्भ ग्रन्थ –

1. मेघदूतम् – कालिदास
2. कुमारसम्भवम् – कालिदास
3. नीतिशतकम् – भर्तृहरि
4. महाकवि कालिदास – रमाशङ्कर तिवारी
5. संस्कृत साहित्य का इतिहास – आचार्य बलदेव उपाध्याय
6. कालिदास : अपनी बात – डॉ. रेवाप्रसाद द्विवेदी
7. कालिदासमीमांसा – डॉ. केशवराव मुसलगाँवकर

विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन

परीक्षा योजना

कक्षा – एम. ए., तृतीय सेमेस्टर

विषय – संस्कृत

प्रश्न–पत्र	प्रश्न–पत्र का शीर्षक	अधिकतम अंक	कुल योग
प्रथम	साहित्यशास्त्र	50	200
द्वितीय	निबन्ध, अनुवाद एवम् अपठित गद्य–पद्य	50	
तृतीय	महाकाव्य	50	
चतुर्थ	नाट्यशास्त्र	50	

क्रमांक / अकादमिक / सम्मिलन / 2011 / 3012 दिनांक 02.08.2011 के सन्दर्भ में परीक्षा योजना एव प्रश्नपत्र की संरचना निम्नानुसार होगी –

01. आन्तरिक मूल्यांकन कार्य 20 प्रतिशत एवं सैद्धान्तिक परीक्षा 80 प्रतिशत अंकों की आयोजित की जावेगी।

02. प्रश्नपत्रों का गठन दो खण्डों में होगा – खण्ड 'अ' एवं खण्ड 'ब' । खण्ड 'अ' में लघु उत्तरीय प्रश्न होंगे तथा खण्ड 'ब' में दीर्घ उत्तरीय प्रश्न होंगे। लघुउत्तरीय प्रश्नों के उत्तरों की शब्द सीमा अधिकतम 100 शब्द होगी एवं दीर्घ उत्तरीय प्रश्नों के उत्तरों की शब्द सीमा अधिकतम 800 शब्दो की होगी। लघु उत्तरीय प्रश्न तीन अंकों के 5 (3 X 5 = 15) एवं दीर्घ उत्तरीय प्रश्न 5 अंकों के 5 (5 X 5 = 25) होंगे। प्रत्येक इकाई में आन्तरिक विकल्प पूर्ववत् ही रहेंगे।

03. 10 अंकों का एक ही आन्तरिक मूल्यांकन प्रत्येक प्रश्नपत्र हेतु निर्धारित होगा।

5-7-12

5.7.12

विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन

पाठ्यक्रम

एम्. ए. (तृतीय सेमेस्टर) संस्कृत

सत्र – 2012 – 13

प्रश्नपत्र – प्रथम

प्रश्नपत्र का शीर्षक – साहित्यशास्त्र

कुल अंक 50

इकाई – 1	काव्यालंकार – भामह–प्रथम परिच्छेद	8
इकाई – 2	काव्यप्रकाश – मम्मट (पंचम तथा षष्ठ उल्लास)	8
इकाई – 3	काव्यप्रकाश – सप्तम उल्लास से रसदोष	8
इकाई – 4	काव्यप्रकाश – अष्टम उल्लास	8
इकाई – 5	काव्यप्रकाश – नवम तथा दशम उल्लास के अधोलिखित अलंकारों के लक्षण तथा उदाहरण उपमा (भेदरहित), अनन्वय, उत्प्रेक्षा, रूपक, अपह्नुति, समासोक्ति, निदर्शना, अप्रस्तुतप्रशंसा, अतिशयोक्ति, दृष्टान्त, दीपक, व्यतिरेक, स्वभावोक्ति, संसृष्टि, संकर	8
आन्तरिक मूल्यांकन –		10

सन्दर्भ ग्रन्थ –

1. काव्यालंकार – भामह
2. काव्यप्रकाश – मम्मट
3. भारतीय काव्यशास्त्र – डॉ. सत्यदेव चौधरी
4. भारतीय साहित्यशास्त्र – डॉ. गणेश त्र्यंबक देशपाण्डे

5-7-12

5.7.12

विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन

पाठ्यक्रम

एम्. ए. (तृतीय सेमेस्टर) संस्कृत

सत्र – 2012 – 13

प्रश्नपत्र – द्वितीय

प्रश्नपत्र का शीर्षक – निबन्ध, अनुवाद एवम् अपठित गद्य–पद्य

कुल अंक 50

इकाई – 1	संस्कृत निबन्ध	8
इकाई – 2	अनुवाद – संस्कृत से हिन्दी में	8
इकाई – 3	अनुवाद – हिन्दी से संस्कृत में	8
इकाई – 4	अपठित संस्कृत गद्य की व्याख्या	8
इकाई – 5	अपठित संस्कृत पद्य की व्याख्या	8
आन्तरिक मूल्यांकन –		10

सन्दर्भ ग्रन्थ –

1. बृहद् अनुवादचन्द्रिका – चक्रधर हंस नौटियाल
2. प्रौढ रचनानुवादकौमुदी – डॉ. कपिलदेव द्विवेदी
3. संस्कृतनिबन्धशतकम् – डॉ. कपिलदेव द्विवेदी
4. संस्कृतनिबन्धावलिः – डॉ. रामजी उपाध्याय
5. संस्कृतनिबन्धचन्द्रिका – डॉ. पारसनाथ द्विवेदी

5-7-12

5.7.12

विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन

पाठ्यक्रम

एम्. ए. (तृतीय सेमेस्टर) संस्कृत

सत्र – 2012 – 13

प्रश्नपत्र – तृतीय

प्रश्नपत्र का शीर्षक – महाकाव्य

कुल अंक 50

इकाई – 1	शिशुपालवध – (प्रथम सर्ग) माघ, दो पदों की व्याख्या	8
इकाई – 2	शिशुपालवध पर आधारित समीक्षात्मक प्रश्न	8
इकाई – 3	रघुवंश – (चतुर्थ एवं पंचम सर्ग) कालिदास दो पद्यों की व्याख्या	8
इकाई – 4	रघुवंश पर आधारित समीक्षात्मक प्रश्न	8
इकाई – 5	महाकाव्य का स्वरूप एवं महाकाव्यों के उद्भव और विकास पर एक प्रश्न	8
आन्तरिक मूल्यांकन –		10

सन्दर्भ ग्रन्थ –

1. शिशुपालवध – माघ
2. रघुवंश – कालिदास
3. संस्कृत कविदर्शन – डॉ. भोलाशंकर व्यास
4. संस्कृत सुकवि समीक्षा – आचार्य बलदेव उपाध्याय
5. संस्कृत महाकाव्य की परम्परा – डॉ. केशवराव मुसलगाँवकर

5-7-12

5.7.12

विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन

पाठ्यक्रम

एम्. ए. (तृतीय सेमेस्टर) संस्कृत

सत्र – 2012 – 13

प्रश्नपत्र – चतुर्थ

प्रश्नपत्र का शीर्षक – नाट्यशास्त्र

कुल अंक 50

इकाई – 1	प्रमुख नाट्यशास्त्रीय ग्रन्थ एवं चिन्तक	8
इकाई – 2	नाट्यशास्त्र (प्रथम एवं द्वितीय अध्याय) – भरतमुनि	8
इकाई – 3	नाट्यशास्त्र (षष्ठ अध्याय) – भरतमुनि	8
इकाई – 4	दशरूपक (प्रथम प्रकाश, सन्धिभेद छोड़ कर) – धनंजय	8
इकाई – 5	दशरूपक (द्वितीय प्रकाश) – धनंजय (नायक और नायिका के सामान्य भेद)	8
आन्तरिक मूल्यांकन –		10

सन्दर्भ ग्रन्थ –

1. संस्कृत आलोचना – आचार्य बलदेव उपाध्याय
2. नाट्यशास्त्र – भरत मुनि, संपादक – बाबूलाल शुक्ल
3. नाट्यशास्त्र बृहत्कोश – डॉ. राधावल्लभ त्रिपाठी
4. भारतीय साहित्यशास्त्रकोश – डॉ. राजवंश सहाय 'हीरा', बिहार राष्ट्रभाषा परिषद्
5. दशरूपक – धनंजय, संपादक – भोलाशंकर व्यास
6. दशरूपक – धनंजय, संपादक – श्रीनिवास शास्त्री
7. दशरूपक – धनंजय, संपादक – डॉ केशवराव मुसलगॉवकर

5-7-12

5.7.12